



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 406]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 15, 1976/अग्रहायण 24, 1898

No. 406] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 15, 1976/AGRAHAYANA 24, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 15th December 1976

**G.S.R. 920(E).**—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. These rules may be called the Central Excise (26th Amendment) Rules, 1976.

2. In the Central Excise Rules, 1944, in Chapter V, in rule 92B, after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(2A) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), a manufacturer of Khandasari Sugar to whom that sub-rule applies may effect—

- (i) one increase; or
- (ii) one decrease; or
- (iii) one increase and one decrease,

in the number and size of centrifugals installed by him during the period beginning with the 1st day of November and ending with the 30th day of June of the year next succeeding and the sum payable under sub-rule (1) shall be re-calculated in relation to the period commencing from the date on which such increase or decrease, as the case may be, has been effected;

Provided that where the number and size of centrifugals is increased or, as the case may be, decreased such increase or decrease shall be done with the prior permission of the concerned Assistant Collector of Central Excise;

Provided further that in a case where the number and size of centrifugals is decreased, such decrease shall be done by effectively dismantling the installed centrifugals."

[No. 287/76.]

G. S. Maingi, Under Secy.

### राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

अधिनियम

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1976

सा० का०नि० 920(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम, 1944 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पादशुल्क (26 वीं संशोधन) नियम, 1976 है।
2. केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम, 1944 में, अध्याय 5 में, नियम 92ख के उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(2क) उपनियम (2) में किसी बात के होते हुए भी, खण्डसारी चीनी का ऐसा विनिमिता, जिसे वह उपनियम लागू होता है, 1 नवम्बर को प्रारम्भ होने वाली और अगले उत्तरवर्ती वर्ष की 30 जून को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उसके द्वारा प्रतिष्ठापित अपकेन्द्री की संख्या और आकार में—

- (1) एक वृद्धि; या
- (2) एक कमी; या
- (3) एक वृद्धि और एक कमी;

कर सकेगा और उपनियम (1) के अधीन देय राशि उस तारीख से, जिसको यथास्थिति, ऐसी वृद्धि या कमी की गई है, प्रारम्भ होने वाली अवधि के सम्बन्ध में पुनः संगणित की जाएगी :

परन्तु जहां अपकेन्द्री की संख्या और आकार में, यथास्थिति, वृद्धि या कमी की जाए वहां ऐसी वृद्धि या कमी केन्द्रीय उत्पादशुल्क के सम्बन्ध सहायक कलक्टर की पूर्वा अनुज्ञा से की जाएगी :

परन्तु यह और कि अपकेन्द्री की संख्या और आकार में कमी किए जाने की दशा में ऐसी कमी प्रतिष्ठापित अपकेन्द्री को प्रभावी रूप से उत्पादित कर के की जाएगी।"

[सं० 287/76]

जी० एस० मैंगी, अव्वर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976